न्यूज डायरी

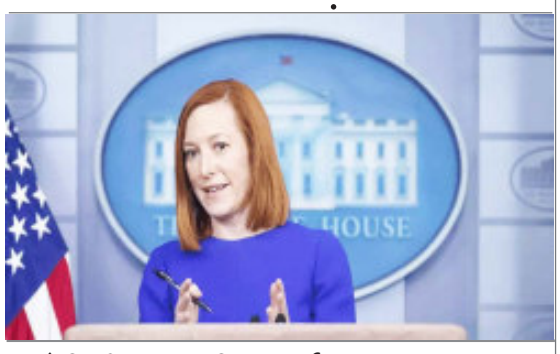

अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय वाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी कोरोना पॉजिटिव

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय वाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी कोरोना पॉजिटिव हो गई हैं। उन्होंने कहा कि वह संभवतरू 10 दिन क्वारंटीन में रहने के बाद निगेटिव रिपोर्ट के साथ वापस काम पर लौट आएंगी। इसकी घोषणा व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने की। रविवार को एक बयान में साकी ने कहा कि उन्हें वायरस के खिलाफ टीका लगाया गया है और वर्तमान में उनमें कोरोना के हल्के लक्षण हैं। साकी कहा, 'मेरा बुधवार (27 अक्टूबर) से राष्ट्रपति (जो बाइडेन) या व्हाइट हाउस के कर्मचारियों के वरिष्ठ सदस्यों के साथ निकट संपर्क नहीं है और उनसे मिलने के चार दिन बाद मैं पॉजिटिव हुई हूं।' इससे पहले होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी एलेजांद्रो मेयरकास भी इस महामारी से संक्रमित हो चुके हैं, जो सर्वोच्च रैंकिंग वाले प्रशासनिक अधिकारियों में से हैं।

कोप–26 में 200 देशों के प्रतिनिधियों के बीच छाया ये भारतवंशी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ग्लासगो। संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन यानी काप–26 की औपचारिक शुरुआत हो गई है। इसमें अगले करीब दो हफ्ते तक 200 देशों के प्रतिनिधि वैश्विक स्तर पर बढ़ते तापमान की साझा चुनौतियों से निपटने पर गहन चर्चा करेंगे। सम्मेलन 12 नवंबर तक चलेगा। स्काटलैंड के सबसे बड़े शहर ग्लासगो में शुरू हुए सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए ब्रिटेन के भारतीय मूल के मंत्री आलोक शर्मा ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के लक्ष्य को जीवित रखने के लिए यह सम्मेलन हमारे लिए आखिरी और सबसे अच्छी उम्मीद है। ऐसे में आपके मन में यह जिज्ञासा जरूर हो रही होगी कि आखिर ये आलोक शर्मा कौन है। सुनने में इनका नाम किसी भारतीय की तरह ही लग रहा है तो ये आखिर कौन है ? इनका इस काप–26 से क्ध्या नाता है ? दरअसल, ब्रिटेन के आम चुनाव में सत्तारूढ़ कंजर्वेटिव पार्टी को स्पष्ट बहुमत मिला था।

वैक्सीन की बूस्टर डोज गंभीर कोरोना के खिलाफ प्रभावी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बोस्टन। कोरोना वायरस वैक्सीन की बूस्टर डोज को लेकर एक अच्छी खबर सामने आई है। एक नए अध्ययन में सामने आया है कि कोरोना वैक्सीन की बूस्टर डोज गंभीर कोरोना के खिलाफ ज्यादा प्रभावी है। द लैंसेट में प्रकाशित सबसे बड़े वास्तविक–विश्व अध्ययन के अनुसार, फाइजर वैक्सीन की तीसरी या बूस्टर डोज गंभीर कोरोना के खिलाफ ज्यादा प्रभावी है। इस अध्ययन के मुताबिक, फाइजर–बायोएनटेक की तीसरी वैक्सीन डोज कोविड–19 से संबंधित गंभीर परिणामों को कम करने में कम से कम पांच महीने पहले वैक्सीन की दो खुराक लेने वाले व्यक्तियों की तुलना में ज्यादा असरदार साबित हुई। द क्लैलिट रिसर्च इंस्टीट्यूट और हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं द्वारा अध्ययन इजराइल में किया गया था, जो तीसरी खुराक वाली कोविड–19 टीकाकरण दरों में एक प्रारंभिक वैश्विक नेता है।

यूएई में 5 से 11 साल के बच्चों के लिए फाइजर वैक्सीन को मिली मंजूरी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)दुबई। संयुक्त अरब अमीरात(यूएई) ने अपने यहां 5 से 11 साल के बच्चों के लिए फाइजर की कोरोना वैक्सीन को मंजूरी दे दी है। संयुक्त अरब अमीरात(यूएई) के स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी है। इससे पहले यूएई में 3 से 17 साल के बच्चों के लिए सिनोफार्म वैक्सीन को मंजूरी दी गई थी। यूएई में 12 साल से अधिक उम्र के बच्चों के लिए फाइजर की वैक्सान को पहले ही मंजूरी मिल चुकी है। यूएई के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि फाइजर की वैक्सीन सुरक्षित है और इससे इम्युनिटी में मदद मिल रही है। अमेरिका ने 30 अक्टूबर को लाखों बच्चों के वैक्सीनेशन में एक अहम फैसला लेते हुए 5 से 11 साल के बच्चों को कोरोना वैक्सीन फाइजर की डोज को मंजूरी दे दी । खाद्य और औषधि प्रशासन के मुताबिक, फाइजर इंक और बायोएनटेक कोरोना वैक्सीन को पांच साल से अधिक उम्र वाले बच्चों के लिए मंजूरी दे दी है।

अशरफ गनी ने मरते दम तक तालिबान से लड़ने का किया था वादा लेकिन भाग गए

निशाना

अशरफ गनी पर अमेरिकी विदेश मंत्री ने साधा निशाना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति अशरफ गनी पर जोरदार हमला बोला है। ब्लिंकन ने कहा कि अशरफ गनी ने आखिरी सांस तक लड़ने का वादा किया था, लेकिन तालिबान के आने और राजधानी काबुल पर कब्जा करने के बाद वे देश छोड़कर भाग गए। हाल ही में सीबीएस न्यूज के एक साक्षात्कार में, ब्लिंकन से पूछा गया था कि क्या उन्होंने व्यक्तिगत रूप से गनी को काबुल में रहने के लिए मनाने की कोशिश की थी।

ब्लिंकन ने कहा कि वह शनिवार (14 अगस्त) की रात को गनी के साथ फोन पर थे, उन्होंने काबुल में एक नई सरकार को सत्ता हस्तांतरित करने की योजना को स्वीकार करने के लिए दबाव डाला। उन्होंने कहा कि यह सरकार 'तालिबान के नेतृत्व में होगी, लेकिन अफगान समाज के सभी पहलुओं को शामिल किया जाएगा'। ब्लिंकन ने बताया, 'गनी ने उनसे कहा था कि वह ऐसा करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा था कि अगर तालिबान साथ नहीं देगा, तो वह आखिरी सांस तक लड़ेंगे। लेकिन अगले ही दिन, वह अफगानिस्तान से भाग गए।'

तालिबान ने की बैंक भंडार को मुक्त करने की मांगः अगले ही दिन 15 अगस्त को तालिबान ने काबुल पर कब्जा कर लिया। इस बीच अफगानिस्तान में तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार ने एक बार फिर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से देश के बैंक भंडार को मुक्त करने का आग्रह किया है। तालिबान का कहना है कि इससे मानवीय संकट को रोका जा सकता है। टोलो न्यूज की रिपोर्ट से यह जानकारी मिली। तालिबान के वित्त मंत्रालय के प्रवक्ता अहमद वली हौमल ने एक बयान में कहा कि अफगान संपत्ति को बिना किसी शर्त के जारी किया जाना चाहिए।

तालिबान ने कहा कि भंडार को फ्रीज करना अंतर्राष्ट्रीय कानून का विरोध है और यह अफगान लोगों के खिलाफ क्रूरता का स्पष्ट संकेत है। तालिबान ने एक बयान में कहा, 'जमा किया गया पैसा इस्लामिक अमीरात की संपत्ति नहीं है, यह जरूरतमंद लोगों और व्यापारियों का पैसा है। यह अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ है और इसे जल्द ही जारी किया जाना चाहिए।'

टोलो न्यूज ने बताया कि रविवार को अफगान उद्योगपतियों और व्यापारियों के एक समूह ने अफगानिस्तान के भंडार को फ्रीज किए जाने के खिलाफ एक रैली का मंचन किया, जिसमें कहा गया कि गंभीर आर्थिक संकट न केवल युद्धग्रस्त देश बल्कि अन्य देशों को भी नुकसान पहुंचाएगा।

अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने की घोषणा, संपत्ति जारी करने की योजना नहीं

एक अफगान उद्योगपति मोहम्मद शाहब ने कहा, 'अगर पैसा नहीं जारी किया गया, तो अपराध बढ़ेंगे, अफीम की खेती और ड्रग्स की तस्करी भी बढ़ेगी, जिससे अफगानिस्तान और अन्य देशों को नुकसान होता है।' दूसरी ओर अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने घोषणा की है कि उसकी संपत्ति जारी करने की कोई योजना नहीं है।

चीनी वैज्ञानिकों ने बनाया धरती का सबसे तेज सुपर कंप्यूटर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। चीन के वैज्ञानिकों ने दुनिया के सबसे तेज सुपर कंप्यूटर का निर्माण किया है। यह सुपर कंप्यूटर धरती पर मौजूद सबसे तेज कंप्यूटर की तुलना में 10 लाख गुना ज्यादा शक्तिशाली है। बताया जा रहा है कि चीन अभी भी इन क्वांटर कंप्यूटर्स पर काम कर रहा है। ये कंप्यूटर वह हर चीज करने में सक्षम हैं जिसकी इंसान अभी कल्पना भी नहीं कर सकता है। चीन के नैशनल सुपरकंप्यूटिंग सेंटर ने दावा किया है कि उसने दुनिया के पहले एक्सापफ्लॉप क्वांटम कंप्यूटर का निर्माण कर लिया है। चीनी वैज्ञानिकों ने कई साल तक इस कंप्यूटर को दुनिया से छिपाकर रेखा और कहा कि वे दुनिया के किसी भी सबसे तेज सुपर कंप्यूटर की तुलना में 100 ट्रिल्यन गुना ज्यादा तेजी से गणना करने में सक्षम हैं।

वैज्ञानिकों ने एक अध्ययन में कहा, हमारा अनुमान है कि लक्ष्य हो पूरा हो गया है। हमारे कंप्यूटर जूचोंगझी ने जिस काम को मात्र 1.2 घंटे में पूरा किया, उसे दुनिया के सबसे तेज कंप्यूटर को पूरा करने में कम से कम 8 साल लग जाते।

उन्होंने कहा कि यह क्वांटम कंप्यूटिग तकनीक का कमाल है जिसकी वजह से वे इस कंप्यूटर को बनाने में सफल रहे।

लाहौर दुनिया के शीर्ष पांच सबसे प्रदूषित शहरों में दूसरे स्थान पर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लाहौर। लाहौर एक बार फिर दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की टाप लिस्ट में रहा है। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान का लाहौर दुनिया के खराब वायु गुणवत्ता वाले शीर्ष पांच शहरों में दूसरे स्थान पर है। डान की रिपोर्ट के अनुसार, लाहौर में अतिसूक्ष्म कणों (पीएम) की रेटिंग 188 रही, जो इसे वायु गुणवत्ता की श्रेणी में रखती है। संयुक्त राज्य पर्यावरण संरक्षण एजेंसी वायु गुणवत्ता सूचकांक 50 से कम होने पर वायु गुणवत्ता को संतोषजनक मानती है। देश के पर्यावरण विशेषज्ञों ने प्रदूषण के लिए फसलों को जलाने के अलावा परिवहन क्षेत्र और उद्योगों को जिम्मेदार ठहराया है।

अमेरिकी सेना बना रही दुनिया का सबसे शक्तिशाली लेजर हथियार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मिसाइलें, ड्रोन, फाइटर जेट और हेलिकॉप्टर होंगे खाक

वॉशिंगटन। अमेरिकी सेना दुनिया का सबसे शक्तिशाली लेजर हथियार बना रही है। यह लेजर वेपन करीब 300 किलोवाट का होगा और इसका अगले साल परीक्षण किया जाएगा। इस हथियार को जनरल अटामिक्स इलेक्ट्रोमैग्नेटिक सिस्टम और बोइंग कंपनी मिलकर बना रही हैं। यह एक जहाज के कंटेनर के आकार का होगा और विशाल ट्रक पर इस हथियार को रखा जाएगा। यह अब तक बनाए गए लेजर वेपन में सबसे शक्तिशाली होगा।

जनरल अटामिक्स के अध्यक्ष स्कॉट फोर्ने ने कहा, बेहद ताकतवर, छोटा सा लेजर हथियार अब तक बनाए गए हथियारों में सबसे घातक है। अमेरिकी नौसेना ने सबसे पहली बार लॉज नामक लेजर वेपन को वर्ष 2014 में बनाया था। इसे यूएसएस पेंस पर तैनात किया गया था। उस समय इस हथियार की क्षमता 30 किलोवाट थी। ज्यादातर सेनाओं के लेजर हथियार 30 से लेकर 100 किलोवाट तक के होते हैं।

इसकी मदद से किसी ड्रोन विमान को पलक झपकते ही मार गिराया जा सकता है। अमेरिका के इस नए हथियार से उसकी मारक क्षमता कई गुना बढ़ गई है। आमतौर पर ये हथियार कई तरह के फाइबर लेजर पर आधारित होते हैं और बाद में एक बीम से किरणे निकलती हैं तथा दुश्मन खाक हो जाता है। इस नए लेजर वेपन में कई शीशे लगाए गए हैं जो आपस में जुड़े हुए हैं। यह नया लेजर हथियार अमेरिकी सेना के उस प्रॉजेक्ट का हिस्सा है जिसके जरिए आकाश से आने वाले खतरों से निपटने के लिए रक्षात्मक लेजर हथियार बनाया जाना है। पिछले साल अमेरिकी सेना ने एक 10 किलोवाट के लेजर को मात देने वाले मोर्टार गोले का प्रदर्शन किया था। विशेषज्ञों का कहना है कि इतने शक्तिशाली लेजर हथियार की मदद से बड़े लक्ष्यों और तेजी से कई लक्ष्यों को तबाह किया जा सकता है।

भारत में फैला था निपाह वायरस, क्या यह भविष्य में अगली महामारी हो सकती है ?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) रीडिंग (ब्रिटेन)। कोरोना वायरस महामारी के गंभीर और विनाशकारी परिणाम निस्संदेह महामारी से निपटने की तैयारियों की कमी के कारण बदतर हो गए लेकिन पूर्व और दक्षिण पूर्व एशिया को छोड़कर, जिन्होंने 2003 में सार्स के अपने अनुभव के बाद संक्रमण से रक्षा हासिल कर ली। इसलिए सरकारों के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वह अन्य जानलेवा संक्रमणों के पैदा होने पर हमारी रक्षा के लिए रणनीतियां बनाना शुरू कर दें। भारत में हाल में निपाह वायरस फैलने ने यह सवाल पैदा कर दिए कि क्या हमें इसे भविष्य का खतरा मानने पर विचार करना शुरू कर देना चाहिए और अब हमारे रक्षा के शस्त्रागारों के निर्माण पर ध्यान देना चाहिए। कोरोना वायरस, सार्स–सीओवी–2 के खिलाफ टीकों के विकास ने इस महामारी से निपटने का रास्ता दिखाया। तो अगर अन्य संभावित खतरनाक संक्रमणों के लिए टीके बनाए जा सकते हैं और उनका भंडारण किया जा सकता है तो नए संक्रमण का पता चलने से पहले जल्द से जल्द इसकी शुरूआत करनी चाहिए।